भारत में विभिन्न मूल्य सूचकांक

भारत में मूल्य सूचकांक

- भारत में गणना की गई विभिन्न भारित मूल्य सूचकांक हैं –

1. **थोक मूल्य सूचकांक (WPI)**
2. **पुराना उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (OLD-CPI)**

(a) औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI- IW)

(b) श्रमिकेतर शहरी कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI- UNME)

(c) कृषि मजदूरों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-AL)

(d) ग्रामीण मजदूरों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI- RL)

3. **नया उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (फरवरी 2011 में प्रस्तुत)**

(a) सीपीआई (ग्रामीण)

(b) सीपीआई (शहरी)

(c) सीपीआई (संयुक्त)

4. **उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक**

- अप्रैल 2014 तक मुद्रास्फीति दर WPI (थोक मूल्य सूचकांक) की मदद से मापा जाता था।
- वर्तमान में, भारत में मुद्रास्फीति की दर को (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक- संयुक्त) की मदद से मापा जाता है।

1. **थोक मूल्य सूचकांक**

- यह थोक बाजार में कारोबार की जाने वाली वस्तुओं के मूल्य में परिवर्तन को मापता है।
- इसे हेडलाइन मुद्रास्फीति के रूप में भी जाना जाता है।
- वर्तमान आधार वर्ष- 2011-12
- वर्तमान श्रृंखला की सूचकांक टोकरी में कुल 697 आइटम (प्राथमिक वस्तुओं के लिए 117 आइटम, ईंधन और बिजली के लिए 16 आइटम और निर्मित उत्पादों के लिए 564 आइटम हैं।)

byjusexamprep.com

- आर्थिक सलाहकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रकाशित

2. **पुराना उपभोक्ता मूल्य सूचकांक**

(a) **औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI- IW)**

- यह औद्योगिक श्रमिकों द्वारा खपत की जाने वाली वस्तुओं की कीमत में परिवर्तन को मापता है।
- वर्तमान आधार वर्ष- 2001
- श्रम ब्यूरो द्वारा प्रकाशित

(b) **श्रमिकेतर शहरी कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI- UNME)**

- यह श्रमिकेतर कर्मचारियों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमत में बदलाव को मापता है।
- सीएसओ (cso) (केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी मंत्रालय) द्वारा प्रकाशित
- इसे बंद कर दिया गया है।

(c) **कृषि मजदूरों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-AL)**

- यह कृषि श्रमिकों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमत में बदलाव को मापता है।
- यह CPI-RL का सबसेट है।
- वर्तमान आधार वर्ष 1986-87
- श्रम ब्यूरो द्वारा प्रकाशित
- न्यूनतम मजदूरी को संशोधित करने के लिए उपयोग किया जाता है।

1. d) ग्रामीण मजदूरों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI- RL)

- यह ग्रामीण मजदूरों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमत में बदलाव को मापता है। (जिसमें खेतिहर मजदूर, गाँव और कुटीर उद्योगों के मजदूर शामिल हैं)
- वर्तमान आधार वर्ष- 1986-87
- श्रम ब्यूरो द्वारा प्रकाशित
- न्यूनतम मजदूरी को संशोधित करने के लिए उपयोग किया जाता है।

3. 3. नया उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (फरवरी 2011 में प्रस्तुत)

(a) सीपीआई (ग्रामीण) -

- वर्तमान आधार वर्ष- 2012

- सीएसओ (CSO) (केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी मंत्रालय) द्वारा प्रकाशित

(b) सीपीआई (शहरी) -

- वर्तमान आधार वर्ष- 2012
- सीएसओ(CSO) द्वारा प्रकाशित

(c) सीपीआई (संयुक्त) -

- वर्तमान आधार वर्ष- 2012
- सीएसओ (CSO) द्वारा प्रकाशित
- वर्तमान में, भारत में मुद्रास्फीति की दर को (संयुक्त उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) की मदद से मापा जाता है।

4. उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक-

- यह लोगों द्वारा खपत की जाने वाली खाद्य पदार्थों के खुदरा मूल्यों में बदलाव का एक माप है।
- वर्तमान आधार वर्ष- 2012
- सीएसओ(CSO) द्वारा प्रकाशित

अन्य

उर्जित पटेल समिति

- समिति को भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान मौद्रिक नीति ढांचे की जांच करने के लिए नियुक्त किया गया था।
- समिति की प्रमुख सिफारिशें हैं-

(a) सीपीआई(CPI) सीमा 4 % +/-2 % के बीच होनी चाहिए।

(b) रेपो दर हमेशा CPI से अधिक होनी चाहिए।

(c) जवाबदेही तय करने के लिए मौद्रिक नीति समिति का प्रस्तावित गठन।

(d) सरकार का निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में आरबीआई की सहायता करना।

सकल घरेलू उत्पाद अपस्फीतिकारक (GDP deflator)

- समग्र मूल्य वृद्धि की गणना करने के लिए उपयोग किया जाता है।

byjusexamprep.com

- अंतर्निहित मूल्य अपस्फीतिकारक के रूप में जाना जाता है।(implicit price deflator)
- सकल घरेलू उत्पाद अपस्फीतिकारक (GDP deflator) = (नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (nominal gdp) / वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (real gdp) × 100

यहां रियल जीडीपी- जीडीपी (real gdp- gdp) की गणना निरंतर मूल्य पर की जाती है

नाममात्र जीडीपी- जीडीपी (nominal gdp – gdp)की गणना वर्तमान मूल्य पर की जाती है

- जीडीपी डिफ्लेटर सबसे सटीक है क्योंकि यह अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं को कवर करता है। अन्य सूचकांक (WPI और CPI) चुनिंदा कमोडिटी बास्केट के लिए मूल्य कोटेशन से प्राप्त होते हैं।
- सरकार इसका उपयोग नहीं करती है क्योंकि जीडीपी अपस्फीति(gdp deflator) डेटा त्रैमासिक आता है (साप्ताहिक / मासिक आधार पर नहीं) ।
- जीडीपी डिफ्लेटर सबसे सटीक है क्योंकि यह अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं को कवर करता है। अन्य सूचकांक (WPI और CPI) चुनिंदा कमोडिटी बास्केट के मूल्य कोटेशन से लिया जाता है।

byjusexamprep.com